आगरा में सजेगा जूते का बाजार, 50 देशों से आएंगे प्रदर्शक

- एफमेक का आगरा ट्रेड सेंटर में होगा तीन दिवसीय मीट एट आगरा का आयोजन
- 50 देशों के 250 प्रदर्शक लगाएंगे स्टाल, जूता उद्योग के हर उत्पाद का होगा प्रदर्शन

मीट एट आगरा के पोस्टर का विमोचन के अवसर पर बाएं से जूता उद्यमी दीपक मनचंदा, रेणुका डंग, राजीव वासन, दलजीत सिंह, एफमेक अध्यक्ष गोपाल गुप्ता, राजेश सहगल, एएस राणा, विजय निझावन, विजय सामा, ललित अरोरा ● आयोजक

जागरण संवाददाता, आगरा : अमेरिका के टैरिफ की मार से आहत जूता निर्यात को नुकसान की भरपाई होने की उम्मीद जगी है। यह उम्मीद आगरा फुटवियर मैन्युफैक्चरर्स एंड एक्सपोर्टर्स चैंबर (एफमेक) के सात नवंबर से होने जा रहे तीन दिवसीय इंटरनेशनल ट्रेड फेयर आयोजन से है। इसमें भारत सहित 50 देशों के प्रदर्शक हिस्सा लेंगे। नई तकनीक के साथ उत्पादों का प्रदर्शन करेंगे। इससे निर्यातकों को पुराने खरीदारों के साथ नया बाजार मिलेगा। अमेरिका से खत्म हुए बाजार के नुकसान की भरपाई के साथ ही आगरा के चार-पांच करोड़ के जूता निर्यात को बढ़ाने का प्रयास रहेगा। इस सारी कवायद का एक उद्देश्य मेक इन इंडिया को बढ़ाना देना भी है।

मीट एट आगरा के 17वें संस्करण में जूता निर्यातकों को बड़ी उम्मीदें हैं। सोमवार को होटल लेमन ट्री में आयोजन के पोस्टर का विमोचन किया गया। एफमेक के अध्यक्ष गोपाल गुप्ता ने बताया कि इंटरनेशनल ट्रेड फेयर में भारत सहित 50 देशों के 250 से अधिक प्रदर्शक भाग लेंगे। औद्योगिक विकास, निर्यात प्रोत्साहन मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी सात नवंबर को कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगे। फुटवियर इंडस्ट्री की आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बनाने के लिए आयोजन की शुरुआत हुई थी। यह आयोजन अब सिर्फ इंडस्ट्री को जोड़ने का नहीं, बल्कि उसे नई दिशा देने का मंच बन गया है। इस बार इंडस्ट्री को और मजबूत बनाने के लिए रेटिंग और फैक्टरिंग से जुड़ी संस्थाओं को भी आमंत्रित किया है। उपाध्यक्ष राजीव वासन ने कहा कि फुटवियर कंपोनेंट इंडस्ट्री मजबूत होगी तो अच्छा जूता बन सकेगा। इस बार तकनीकी सत्रों में डिजाइन ट्रेंड्स, उत्पादन तकनीक और विपणन रणनीति जैसे विषयों पर विशेषज्ञ चर्चा होगी। इससे इंडस्ट्री का वर्तमान और भविष्य तय होगा।

मीट एट आगरा के संस्थापक अध्यक्ष दलजीत सिंह ने कहा आगरा वर्ल्ड फुटवियर का विभिन्न देशों के कारोबारी हर साल इंतजार करते हैं। भारत दुनिया के कुल फुटवियर उत्पादन का लगभग 13 प्रतिशत हिस्सा बनाता है। निर्यात में भारत की हिस्सेदारी 2.2 प्रतिशत है। हमारे पास उत्पादन और निर्यात दोनों को बढ़ाने की अपार संभावनाए हैं। द शू फेक्टर्स फेडरेशन के अध्यक्ष विजय सामा ने कंपोनेंट के बाजार, लोकल बाजार, जूता उद्योग की आवश्यकताओं को साझा किया।

26 बिलियन डालर के बाजार को 47 बिलियन की संभावना : भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था में आगरा का जूता उद्योग अहम भूमिका निभा रहा है। सरकार और उद्योग-संगठनों के प्रयासों से मौजूदा 26 बिलियन डालर के भारतीय फुटवियर बाजार को 2030 तक 47 बिलियन डालर तक बढ़ाया जा सकता है। यह वृद्धि मुख्य रूप से गैर-चमड़े के जूतों जैसे स्पोर्ट्स, रनिंग, कैजुअल विवर और स्नीकर्स की बढ़ती मांग के बल पर संभव है।